GS WORLD

एक ऐसा संस्थान जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है...

IAS GS WORLD PCS

Committed To Excellence

ISO 9001 Certified

1 - 15 Dec., 2018

PIB

PICTURE

PIB

पत्र सूचना कार्यालय

PRESS INFORMATION BUREAU

भारत सरकार

DELHI CENTRE
629, Ground Floor, Main Road,
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph.: 7042772062/63, 9868365322

ALLAHABAD CENTRE
GS World House, Stainly Road,
Near Traffic Choraha, Allahabad
Ph.: 0532-2266079, 8726027579

LUCKNOW CENTRE
A-7, Sector-J, Puraniya Chauraha
Aliganj, Lucknow
Ph.: 0522-4003197, 8756450894

1-15 नवंबर, 2018

हार्नबिल महोत्सव का उद्‌घाटन

PIB, (01 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – गृह मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री राजनाथ सिंह

संदर्भ

- हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज कोहिमा में बेहद लोकप्रिय हॉर्नबिल महोत्सव 2018 का उद्‌घाटन किया।
- इस बार राज्य में 19वें हॉर्नबिल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।
- पहली बार इस उत्सव का आयोजन वर्ष 2000 में किया गया था।
- यह मजबूत तरीके से लोगों की सांस्कृतिक विविधता और सभ्यता की एकता का प्रदर्शन करता है।
- नागालैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए भारत सरकार ने राज्य के दीमापुर में उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की है।

क्या है?

- इस महोत्सव का नामकरण ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर हुआ है।
- हॉर्नबिल महोत्सव उत्तर-पूर्वी भारत के नागालैंड राज्य का एक प्रसिद्ध त्यौहार है। यह सांस्कृतिक महोत्सव नृत्य, संगीत और भोजन के रूप में वर्षो से अपनाई गई नागा समुदाय की समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं का एक कलात्मक प्रदर्शन है, जो कि नागा समाज की विविधताओं को प्रदर्शित करता है।
- इसे नागालैंड राज्य के स्थापना दिवस (1 दिसंबर, 1963) के उपलक्ष्य पर मनाया जाता है।
- प्रारंभ में इसे 7 दिनों के लिये आयोजित किया गया, किंतु इसकी बढ़ती सफलता, उपलब्धि एवं पर्यटन को मद्देनजर रखते हुए बाद में इसे 10 दिनों में परिवर्तित कर दिया गया।
- इस महोत्सव का उद्देश्य नागालैंड की समृद्ध संस्कृति को पुनर्जीवित करने तथा इसकी सुरक्षा करने के साथ-साथ अपनी परंपराओं को प्रदर्शित करना है।

ग्रेट हॉर्नबिल पक्षी (Great Hornbill)

- यह 'एनिमलीया किंगडम' के 'कॉर्डेटा समुदाय' के 'एवेस वर्ग' का एक पक्षी है, जिसे 'ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल' के नाम से भी जाना जाता है।
- यह मुख्य रूप से आर्द्र सदाबहार और मिश्रित पर्णपाती वनों में पाया जाता है।
- इसे IUCN की रेड डाटा बुक की 'Near Threatened' सूची में रखा गया है।
- यह अरुणाचल प्रदेश तथा केरल राज्य का एक 'राजकीय पक्षी' (State Bird) भी है।

कोप इंडिया- 18

PIB, (02 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में भारतीय और अमेरिकी वायुसेना के बीच 'एक्स कोप इंडिया- 2018' हवाई युद्ध अभ्यास का आयोजन पश्चिम बंगाल में किया जा रहा है।
- भारतीय वायुसेना एवं अमेरिकी वायुसेना के बीच आयोजित 'एक्स कोप इंडिया-18' द्विपक्षीय संयुक्त अभ्यास की श्रृंखला का चौथा संस्करण है, जो भारत में आयोजित किया जा रहा है।
- इस संयुक्त अभ्यास का आयोजन पश्चिम बंगाल के दो महत्वपूर्ण एयरबेस एयर फोर्स स्टेशन कलाईकुंडा और एयरफोर्स स्टेशन अर्जन सिंह में किया जा रहा है।
- यह पहली बार है जब पश्चिम बंगाल के दो वायु सैन्य अड्डों

पर सैन्याभ्यास की योजना बनाई गई है।

उद्देश्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना तथा कौशल का आदान-प्रदान करना है।
- इस अभ्यास के माध्यम से दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध और मजबूत होंगे, वायुसैनिकों को कौशल बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- इस सैन्य अभ्यास का लक्ष्य संचालनात्मक समन्वय बढ़ाना है।

अमेरिका के 200 वायुसैनिक

- इस अभ्यास में अमेरिका के 200 वायुसैनिक 15 एयरक्राफ्ट के साथ हिस्सा लेंगे।
- भारतीय वायुसेना एसयू-30 एमकेआई, जगुआर, मिराज 2000, सी-130जे एवं अवाक्स विमान के साथ भाग ले रही है।
- अमेरिका वायुसेना 12 एक्स एफ15 सी/डी और 03 एक्स सी-130 के साथ भाग ले रहा है।

यह अभ्यास काफी अहम

- हिंद प्रशांत इलाके में दोनों देशों की बढ़ती सामरिक साझेदारी के मद्देनजर वायु सेनाओं के बीच होने वाला यह अभ्यास काफी अहम है।
- इस अभ्यास के पीछे दोनों देशों द्वारा खुले और मुक्त हिंद प्रशांत इलाके की प्रतिबद्धता दिखती है।

कोप इंडिया के बारे में

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय वायु सेना अभ्यास है, इसका आयोजन भारतीय वायुसेना तथा अमेरिकी वायुसेना के बीच किया जाता है। इसका आयोजन भारत में ही किया जाता है।
- इस युद्ध अभ्यास का आयोजन पहली बार ग्वालियर में फरवरी 2004 में किया गया था।
- इस अभ्यास में उड़ान परीक्षण, प्रदर्शन, विचार-विमर्श इत्यादि शामिल था। इसके पश्चात् इस अभ्यास का आयोजन वर्ष 2005, वर्ष 2006 तथा वर्ष 2009 में किया गया था।
- कोप इंडिया के दौरान विशेषज्ञों के बीच वार्तालाप, एयर मोबिलिटी ट्रेनिंग, बड़े स्तर के सैन्य अभ्यास के अलावा लड़ाकू विमानों के ट्रेनिंग अभ्यास शामिल हैं।

Cop-24

PIB, (03 Dec.)

संबंधित मंत्रालय – पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन

संबंधित मंत्री – डॉ हर्षवर्धन

संदर्भ

- हाल ही में पोलैंड के कैटोविस नगर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढाँचे (UNFCCC) से सम्बंधित पक्षकारों का 24वाँ सम्मेलन (COP-24) सम्पन्न हुआ।

- इस सम्मलेन में एक भारतीय पैविलियन भी लगाया गया, जिसके उद्घाटन में भारत सरकार के पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सम्मिलित हुए।
- भारतीय पैवलियन की थीम थी - "एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड (One World One Sun One Grid)।
- वैश्विक जलवायु से सम्बंधित कार्यकलाप के लिए भारत के नेतृत्व को विश्व सराहता है।

- इसी क्रम में इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने भारत के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी को "चैंपियन ऑफ दी अर्थ पुरस्कार"दिया था।
- यह पुरस्कार उनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सौर संघ को आगे बढ़ाने तथा भारत को 2022 तक प्लास्टिक-मुक्त करने के उनके संकल्प के लिए दिया गया था।

COP क्या है?

- COP संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढाँचे (UNFCCC) से सम्बंधित पक्षकारों के सम्मेलन को कहते हैं।
- यह संस्था UNFCCC के प्रावधानों के कार्यान्वयन और उसकी समीक्षा सुनिश्चित करती है।

UNFCCC क्या है?

- UNFCCC एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण विषयक संधि है, जो 21 मार्च, 1994 से लागू है। अब इसमें विश्व के लगभग सभी देश सदस्य बन चुके हैं।
- दिसम्बर, 2015 तक इसमें 197 सदस्य हो गये थे।
- इस संधि का उद्देश्य जलवायु प्रणाली में मानव के खतरनाक हस्तक्षेप को रोकना है।

शिनयू मैत्री 2018

PIB, (03 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में जापानी वायु सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) और भारतीय वायुसेना के बीच एक द्विपक्षीय वायु अभ्यास शिनयू मैत्री-18 वायु सेना केंद्र आगरा में शुरू हुआ।
- शिनयू मैत्री 2018 वायु सेना अभ्यास के अंतर्गत भारतीय वायु सेना के साथ सैन्य अभ्यास के लिए जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) भारत में है।

- यह अभ्यास वायु सेना स्टेशन आगरा में 3 से 7 दिसंबर तक चलेगा।
- इस सैन्य अभ्यास की थीम है-विमान की सहायता से गति के साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर)।
- जेएएसडीएफ का सी-2 विमान तथा भारतीय वायु सेना के एएन-32 और सी-17 विमान अपने-अपने सैन्य दलों के साथ इस अभ्यास में भाग ले रहे हैं।
- भारी सामानों को चढ़ाने और उतारने का भी अभ्यास किया जाएगा।
- इस दौरान हैवी लोर्डिंग/ऑफ लोर्डिंग के अभ्यास की भी योजना बनाई गई है।

भारत जल प्रभाव सम्मेलन- 2018

PIB, (04 Dec.)
संबंधित मंत्रालय –जल संसाधन मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री नितिन गडकरी

संदर्भ

- हाल ही में 5 से 7 दिसंबर, 2018 के बीच नई दिल्ली में भारत जल प्रभाव सम्मेलन-2018 (India Water Impact Summit-2018) का आयोजन किया गया।

सम्मेलन के बारे में

- भारत जल प्रभाव सम्मेलन एक वार्षिक कार्यक्रम है,

- जिसमें देश में जल से संबंधित कुछ सबसे बड़ी समस्याओं के आदर्श समाधान ढूँढ़ने पर विचार-विर्मश किया जाता है।
- पहली बार इस सम्मेलन का आयोजन वर्ष 2012 में किया गया था।

प्रमुख बिंदु

- इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और गंगा नदी बेसिन प्रबंधन एवं अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
- इस वर्ष गंगा नदी बेसिन के संरक्षण पर विचार किया जाएगा।
- इसमें गंगा नदी के संरक्षण हेतु किये गए विभिन्न प्रयासों पर विचार किया जाएगा, जिसमें आँकड़ों का संग्रह करना, जल-विज्ञान, ई-फ्लो, कृषि और अपशिष्ट जल जैसे मुद्दे शामिल हैं।
- इस सम्मेलन में 15 देशों के लगभग 200 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिनमें 50 से अधिक केंद्रीय, राज्य और नगरीय प्रशासनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।
- सम्मेलन के दौरान वृक्षारोपण और जैव विविधता, शहरी नदी/जल प्रबंधन योजनाएँ, गंगा पुनरुद्धार कार्यक्रम के वित्तपोषण हेतु वैश्विक पारिस्थितिकी के निर्माण तथा दीर्घावधि परियोजना हेतु वित्त के लिये वैश्विक पूंजी बाजार से पूंजी जुटाने जैसे मुद्दों पर सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

सम्मेलन के दौरान तीन प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा

- पाँच राज्यों पर ध्यान केंद्रित करना। ये पाँच राज्य हैं- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और बिहार। इस सम्मेलन के अंतर्गत इन राज्यों में जल संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासों और कार्यों पर विचार किया जाएगा।
- गंगा वित्तपोषण मंच - सम्मेलन के दौरान गंगा वित्त पोषण मंच का उद्घाटन भी किया जाएगा। वित्तपोषण मंच नमामि गंगे संबंधी कार्यक्रमों में निवेश करने के इच्छुक वित्तीय संस्थानों और निवेशकों को एकजुट करेगा।
- प्रैद्योगिकी और नवाचार, पर्यावरण प्रौद्योगिकी जाँच प्रक्रिया के रूप में ज्ञात प्रायोगिक/प्रदर्शनात्मक कार्यक्रमों का संचालन।
- इसके जरिये विश्व भर की प्रौद्योगिकी और नवाचार कंपनियों को नदी बेसिन में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिये अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

ब्लू वाटर्स अहो

PIB, (04 Dec.)

संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय

संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में पीवीएसएम, एवीएसएम, एडीसी, नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा द्वारा 'ब्लू वाटर्स अहो!' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।
- इसमें वर्ष 2001 से लेकर वर्ष 2010 तक की अवधि के दौरान भारतीय नौसेना के इतिहास का वृत्तांत दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- इस पुस्तक का विमोचन राष्ट्रपति एवं सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर महामहिम रामनाथ कोविंद की गरिमामयी उपस्थिति में नेवी हाउस में आयोजित 'एट होम' समारोह का एक हिस्सा था।
- इस समारोह में देश-विदेश के गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में मौजूद थे।
- भारतीय नौसेना वर्ष 1971 में हुए युद्ध के दौरान अपनी आक्रामक सैन्य कार्रवाई की स्मृति में हर साल 04 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाती है।

किसने लिखी ये किताब?

- यह पुस्तक वाइस एडमिरल अनूप सिंह ने लिखी है, जो पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में वर्ष 2011 में सेवानिवृत्त हुए थे।
- यह भारतीय नौसेना के इतिहास का छठा खंड है, जबकि प्रथम पांच खंडों में वर्ष 1945 से लेकर वर्ष 2000 तक की अवधि को कवर किया गया है।

पृष्ठभूमि

- भारतीय नौसेना ने यह अनूठी कवायद वर्ष 1968 में शुरू की थी, जब नौसेना ने इतिहास प्रकोष्ठ की स्थापना की थी।
- इसके पीछे मुख्य उद्देश्य नौसेना के विकास के लिए प्रासंगिक माने जाने वाले ऐतिहासिक आंकड़ों (डेटा) का संयोजन या मिलान करना और बाद में इनका विश्लेषण करना था।
- इस तरह के प्रत्येक पुस्तक खंड में एक दशक की अवधि को कवर किया गया है और नौसेना दिवस के अवसर पर इसका विमोचन करने की परंपरा रही है।

जीसैट- 11 का सफल प्रक्षेपण

PIB, (05 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – इसरो
संबंधित अध्यक्ष – के सिवान

संदर्भ

- हाल ही में भारत के सबसे वजनी सैटेलाईट जीसैट-11 का फ्रेंच गुयाना से एरियनस्पेस रॉकेट की मद्द से सफल प्रक्षेपण किया गया।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि जीसैट-11 का सफल प्रक्षेपण देश में ब्रॉडबैंड सेवा को और बेहतर बनाने में मद्द करेगा।
- दक्षिण अमेरिका के पूर्वोत्तर तटीय इलाके में स्थित फ्रांस के अधिकार वाले भूभाग फ्रेंच गुयाना के कौरू में स्थित एरियन प्रक्षेपण केन्द्र से भारतीय समयानुसार तड़के दो बजकर सात मिनट पर रॉकेट ने उड़ान भरी।

- एरियन-5 रॉकेट ने सफलतापूर्वक लगभग 33 मिनट में जीसैट-11 को उसकी कक्षा में स्थापित कर दिया।
- आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से उसे जियोस्टेशनरी (भूस्थिर) कक्षा में भेजा जाएगा। जियोस्टेशनरी कक्षा की ऊंचाई भूमध्य रेखा से करीब 36,000 किलोमीटर होती है।

आवश्यकता क्यों?

- जीसैट-11 इसरो के इंटरनेट बेस्ड सैटेलाइट सीरीज का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट की गति को बढ़ाना है।
- इसके तहत अंतरिक्ष में तीन सैटेलाइट भेजे जायेंगे। इसमें से पहला सैटेलाइट 19 जून, 2017 में भेजा जा चुका है और तीसरा सैटेलाइट इस साल के आखिरी में अथवा अगले वर्ष आरंभ में लॉन्च किया जा सकता है।
- जीसैट-11 से साइबर सुरक्षा मजबूत होगी और इससे एक नया सुरक्षा कवच मिलेगा तथा भारत का बैंकिंग सिस्टम भी मजबूत होगा।

विशेषताएं

- जीसैट-11 उपग्रह का वजन 5.8 टन है तथा इसकी कुल लागत 1117 करोड़ रुपये है।
- इसका प्रत्येक सौर पैनल 4 मीटर से भी बड़ा है तथा यह 11 किलोवाट ऊर्जा का उत्पादन करेगा।
- सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण से भारत के पास अपना स्वयं का सैटेलाइट आधारित इंटरनेट होगा।
- सैटेलाइट आधारित इंटरनेट से हाई स्पीड कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी।
- जीसैट-11 अगली पीढ़ी का 'हाई थ्रोपुट' संचार उपग्रह है। इसका जीवनकाल 15 साल से अधिक का है।
- इसे पहले 25 मई को प्रक्षेपित किया जाना था, लेकिन इसरो ने अतिरिक्त तकनीकी जांच के कारण इसके प्रक्षेपण का कार्यक्रम बदल दिया था।
- जीसैट-11 को जियोस्टेशनरी कक्षा में 74 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रखा जाएगा। उसके बाद उसके दो सौर एरेज और चार एंटिना रिफ्लेक्टर भी कक्षा में स्थापित किए जाएंगे।
- कक्षा में सभी परीक्षण पूरे होने के बाद उपग्रह काम करने लगेगा।

- जीसैट-11 भारत की मुख्य भूमि और द्वीपीय क्षेत्र में हाई-स्पीड डेटा सेवा मुहैया कराने में मद्दगार साबित होगा। इसमें के. यू. बैंड में 32 यूजर बीम जबकि के.ए. बैंड में आठ हब बीम लगाए गए हैं।

कृषि निर्यात नीति 2018

PIB, (06 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
संबंधित मंत्री – सुरेश प्रभु

संदर्भ

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश की पहली कृषि निर्यात नीति 2018 को मंजूरी प्रदान की।
- इस नीति का मकसद 2022 तक कृषि उत्पादों का निर्यात 60 अरब डॉलर करना है, ताकि किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके, जो अभी 37 अरब डॉलर है।

लाभ

- कृषि निर्यात नीति व्यवस्था के माध्यम से किसानों को निर्यात के अवसरों का लाभ मिलेगा।
- इस नीति से अधिकतर जैविक और प्रसंस्कृत आहार के निर्यात पर अंकुश समाप्त हो जाएगा तथा कृषि उत्पादों के निर्यात के कई रास्ते खुलेंगे।

उद्देश्य

- कृषि निर्यात नीति का मकसद क्षेत्र से चाय, कॉफी, चावल व अन्य जिंसों के निर्यात को बढ़ावा देना है।
- इससे वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- कैबिनेट के इस फैसले के बाद सरकार को विदेशी बाजारों में एक्सपोर्ट हिस्सेदारी को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- इस नीति में ढांचागत सुविधाओं का आधुनिकीकरण, उत्पादों का मानकीकरण, नियमन को बेहतर बनाना, बिना सोचे फैसलों पर अंकुश और शोध एवं विकास गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है।
- नीति के तहत जैविक उत्पादों के निर्यात पर लगे सभी तरह के प्रतिबंधों को हटाने पर भी जोर दिया गया है। इस नीति के क्रियान्वयन में अनुमानित 1,400 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव होगा।
- प्याज जैसे घरेलू जरूरतों के कुछ प्रमुख कृषि उत्पादों को छोड़कर सभी जैविक और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों से निर्यात प्रतिबंध हटा लिया जाएगा।
- इस नीति में कृषि निर्यात से जुड़े सभी पहलुओं पर गौर किया गया है।

- सरकार ने कृषि निर्यात दोगुना करने और भारतीय किसानों और कृषि उत्पादों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने के मकसद से व्यापक कृषि निर्यात नीति बनाई है।
- इस नीति का मकसद अगले कुछ साल में 100 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य हासिल करना है।
- केंद्र सरकार पिछले कुछ समय से किसानों के निशाने पर है। किसानों के प्रति सरकार के खिलाफ काफी रोष पनप रहा है। लेकिन नई पॉलिसी आने के बाद किसानों को काफी राहत मिलने के आसार हैं।

किसान हाट

PIB, (06 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री राधा मोहन सिंह

संदर्भ

- हाल ही में कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिह ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र (एटीआईसी) में पूसा 'किसान हाट' की आधारशिला रखी।
- पूसा किसान हाट 2.5 एकड़ में बनेगा, जिसमें 3 मी.x 3 मी. की 60 स्टाल होंगी, जिसमें किसान एवं कृषक महिलायें अपने कृषि उत्पाद तथा मूल्य संवर्धित उत्पाद बेच सकेंगे।

- किसान हाट में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के संस्थानों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी एवं मूल्य संवर्धित उत्पाद किसान तथा आगंतुकों के लिए यहाँ उपलब्ध होंगे।

मुख्य बिंदु

- किसान हाट में एक टेक्नोलॉजी पार्क होगा, जिसमें किसान पूसा की लाइव फसल टेक्नोलॉजी देख सकेंगे।
- इसमें फूड प्लाजा, 100 सीटों वाला ओपेन एयर थिएटर, सभागार, संग्रहालय, प्रयोगशाला और व्याख्यान कक्ष होंगे। किसान हाट में कृषि परामर्श सेवाएं,बीज तथा किसानों के लिए उपयोग साहित्य होंगे।
- छात्रावास दो हेक्टेयर भूमि पर बनाया जा रहा है। इसका कुल निर्माण क्षेत्र 14,480 वर्गमीटर होगा।
- इसमें दो कमरे-किचन युक्त 50 सपरिवारीय आवास, स्नान-सुविधा युक्त 50 एकल कमरे एवं 400 एकल कमरे होंगे।
- इस छात्रावास में लगभग 600 छात्रों के लिए भोजन-सुविधा युक्त एक फूड-कोर्ट का भी निर्माण कराया जाएगा।

उद्देश्य एवं लाभ

- कृषि शिक्षा के प्रति युवाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से तथा विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है।
- स्वास्थ्य देख-रेख सुविधाओं से युक्त एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का जिम, खेल-उपकरण युक्त एक गेम्स एवं एक्टिविटी रूम, एक सिटिंग लॉज का निर्माण किया जाएगा।
- एक पार्किंग व्यवस्था होगी जिसकी छत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए उपयोगी होगी।

शाहपुर कंडी डैम (राष्ट्रीय परियोजना)

PIB, (06 Dec.)

संबंधित मंत्रालय – जल संसाधन मंत्रालय

संबंधित मंत्री – नितिन गडकरी

संदर्भ

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राबी नदी पर शाहपुरकंडी डैम, पंजाब को लागू करने की मंजूरी दी है।
- इसके लिए 2018-19 से 2022-23 की पांच वर्षों की अवधि के दौरान 485. 38 करोड़ रुपये (सिंचाई घटक के लिए) की केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।
- इस परियोजना के कार्यान्वयन से राबी नदी के जल की मात्रा में कमी लाने में सहायता मिलेगी जो वर्तमान में माधोपुर हेडवर्क्स से होते हुए पाकिस्तान चली जाती है।

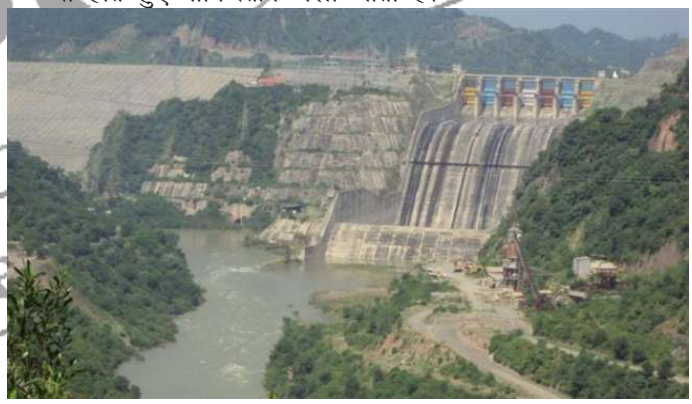

मुख्य बिंदु

- परियोजना के पूरा होने पर पंजाब राज्य में 5000 हेक्टेयर और जम्मू-कश्मीर में 32,173 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी।
- शाहपुरकंडी डैम परियोजना के लिए वर्तमान की 99 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी परियोजनाओं के समान नाबार्ड के

माध्यम से केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी।

- केंद्रीय जल आयोग की वर्तमान निगरानी व्यवस्था के अतिरिक्त केंद्रीय जल आयोग के सदस्य की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाएगा।
- परियोजना की कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए गठित की जाने वाली इस समिति में पंजाब और जम्मू-कश्मीर के चीफ इंजीनियर और संबंधित अधिकारियों को शामिल किया जाएगा।
- एमओडब्ल्यूआर, सिंचाई पर आरडी एंड जीआर, बाढ़ नियंत्रण तथा बहुद्देशीय परियोजनाओं की परामर्शदात्री समिति ने 31 अक्टूबर 2018 को हुई 138वीं बैठक में 2715.70 करोड़ रुपये (मूल्य स्तर फरवरी 2018) के दूसरे पुनरीक्षित लागत अनुमान को स्वीकृति दी है।
- 485.38 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता के साथ पंजाब सरकार इस परियोजना को लागू करेगी। जून 2022 तक यह परियोजना पूरी हो जाएगी।

प्रभाव

- राबी नदी के पानी की कुछ मात्रा वर्तमान में माधोपुर हेडवर्क्स होकर पाकिस्तान चली जाती है, जबकि पंजाब और जम्मू-कश्मीर में जल की आवश्यकता है।
- परियोजना को लागू करने से पानी की बर्बादी में कमी लाने में मदद मिलेगी।
- इस परियोजना के पूरा होने से पंजाब राज्य में अतिरिक्त 5000 हेक्टेयर और जम्मू-कश्मीर में अतिरिक्त 32,173 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी।
- इसके अतिरिक्त इस परियोजना से पंजाब में यूबीडीसी प्रणाली के अंतर्गत 1.18 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। परियोजना के पूरा होने के पश्चात् पंजाब 206 मेगावाट जलविद्युत पैदा करने में सक्षम होगा।

परिव्यय

- शाहपुरकंडी डैम परियोजना के कार्य घटक की शेष लागत 1973.53 करोड़ रुपये (सिंचाई घटक: 564.63 करोड़ रुपये, ऊर्जा घटक :1408.90करोड़ रुपये) है।
- इसमें 485.38 करोड़ रुपये केंद्रीय सहायता के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी।

लाभ

- पंजाब के 5000 हेक्टेयर भूमि तथा जम्मू-कश्मीर के 32,172 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी।
- परियोजना के कार्यान्वयन से अकुशल श्रमिकों के लिए 6.2 लाख कार्यदिवसों, अर्द्धकुशल श्रमिकों के लिए 6.2 लाख कार्यदिवसों तथा कुशल श्रमिकों के लिए 1.67 लाख कार्यदिवसों के रोजगार का सृजन होगा।

संयुक्त युद्धाभ्यास 'हैंड-इन-हैंड'

PIB, (06 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में भारत और चीन की सेनाओं के मध्य आयोजित किये जाने वाले 'हैंड इन हैंड' संयुक्त सैन्य अभ्यास की घोषणा की गई।
- इस युद्धाभ्यास के अंतर्गत भारत और चीन की सेनाओं के बीच सैन्य कूटनीति और संपर्क के हिस्से के तौर पर प्रतिवर्ष युद्धाभ्यास हैंड-इन-हैंड आयोजित किया जाता है।
- वर्ष 2018 के लिए संयुक्त युद्धाभ्यास चीन के चंगतू में 10 से 23 दिसंबर तक आयोजित होगा।
- दोनों देशों की सेनाओं के बीच निकटतापूर्ण संबंध बनाना और उसे बढ़ावा देना इस युद्धाभ्यास का लक्ष्य है।
- दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियों के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास से उनकी क्षमता भी बढ़ती है।

- वर्ष 2018 के अंत तक भारत पी-5 देशों (अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन) के अतिरिक्त ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण

अफ्रीका, ब्राजील और आसियान देशों (सिंगापुर, वियतनाम, मलयेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड) के साथ भी अभ्यास कर चुका होगा।

क्या है?

- इस युद्धाभ्यास में संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से निपटने अथवा आतंकवादी माहौल से मुकाबला करने में सामरिक स्तर के संचालन शामिल होंगे।
- भारतीय सेना के 11 सिखली से भारतीय पक्ष की सैन्य टुकड़ियों का चयन किया गया है। जबकि तिब्बती सैन्य जिले की एक यूनिट से चीनी सैन्य टुकड़ियां इसमें हिस्सा लेंगी।
- युद्धाभ्यास हैंड-इन-हैंड 2018 से दोनों देशों के बीच संबंधों को और भी अधिक मजबूत करने में काफी मदद मिलेगी और यह दोनों देशों की सेनाओं के बीच जमीनी स्तर पर सौहार्द्र कायम करने में एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।

भारत-रूस संयुक्त युद्धाभ्यास

- भारत की वायुसेना रूस की सेना के साथ जोधपुर में 'एविया इंद्र' युद्धाभ्यास करेगी। यह अभ्यास 10 से 22 दिसंबर तक होगा।
- इससे पहले ऐसा युद्धाभ्यास भारत और रूस ने सितंबर में रूस के लाइपटेक में किया था।

कृत्रिम बौद्धिकता पर विश्व हैकथॉन

PIB, (07 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – नीति आयोग
संबंधित मंत्री – अमिताभ कांत

संदर्भ

- नीति आयोग ने 07 दिसंबर 2018 को कृत्रिम बौद्धिकता पर विश्व हैकथॉन की शुरूआत की है।
- राष्ट्रीय कृत्रिम बौद्धिकता रणनीति में 'कृत्रिम बौद्धिकता-सबके लिए' बहुत अहमियत रखती है। नीति आयोग ने एक विश्व हैकथॉन का आयोजन किया है।

उद्देश्य

- इस आयोजन का लक्ष्य विकास में आने वाली विभिन्न चुनौतियों को हल करने के लिए प्रौद्योगिकीय और नवाचार संबंधी उपाय सुझाए जाएंगे।

मुख्य तथ्य

- नीति आयोग सिंगापुर आधारित एक कृत्रिम बौद्धिकता स्टार्टअप 'पर्लिन' के साथ मिलकर "कृत्रिम बौद्धिकता-सबके लिए" की शुरूआत कर रहा है।

- इसके लिए नीति आयोग कृत्रिम बौद्धिकता एप्लीकेशंस के विकास के लिए छात्रों, स्टार्टअप और कंपनियों को आमंत्रित कर रहा है।
- "कृत्रिम बौद्धिकता-सबके लिए" की घोषणा कृत्रिम बौद्धिकता सम्मेलन में की गई थी, जिसका आयोजन नीति आयोग ने ओआरएफ के साथ मुंबई में नवंबर 2018 में किया था।
- यह हैकथॉन दो चरणों में चलेगा। पहला चरण 15 जनवरी, 2019 को और दूसरा चरण 15 मार्च, 2019 को समाप्त होगा। दूसरे चरण में केवल पहले चरण से चुने गए प्रतिभागी शामिल होंगे।
- निर्णायक मंडल में प्रौद्योगिकी और नीति ईको-प्रणाली क्षेत्र की हस्तियां शामिल हैं।
- पहले चरण में स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, कृषि, शहरीकरण और वित्तीय समावेश जैसे क्षेत्रों के संबंध में विचार आमंत्रित किए जाएंगे। दूसरे चरण में इन विचारों को विकसित किया जाएगा।

अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण

PIB, (10 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीमारमण

संदर्भ

- हाल ही में भारत द्वारा अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया गया।
- यह परीक्षण दोपहर एक बजकर तीस मिनट पर किया गया है. यह इस मिसाइल का सातवां परीक्षण किया गया है।
- 5500 किलोमीटर तक मार करने वाली अग्नि-5 मिसाइल का यह परीक्षण ओडिशा के समुद्री तट पर किया गया।

- अग्नि-5 की मिसाइल की रेंज में चीन, यूरोप और पाकिस्तान आ चुके हैं।
- अग्नि 5 तकनीक के मामले में भी अत्याधुनिक है क्योंकि इसमें नेवीगेशन, गाइडेंस, वॉरहेड और इंजन की अत्याधुनिक सुविधाएँ हैं।

विशेषताएं

- अग्नि-5 की लंबाई 17.5 मीटर है, यह 2 मीटर चौड़ी है जबकि इसका वजन 50 टन है।
- अग्नि-5 मिसाइल डेढ़ टन विस्फोटक ढोने की ताकत रखती है। इसकी गति ध्वनि की गति से 24 गुना अधिक है।
- इससे पहले अग्नि-5 का सफल परीक्षण 2012, दूसरा 2013, तीसरा 2015, चौथा 2016, पांचवां जनवरी 2018, छठां जून 2018 एवं सातवां सफल परीक्षण अब किया गया है।
- अग्नि-5 मिसाइल 3 चरणों में मार करने वाली मिसाइल है।
- इस मिसाइल को लक्ष्य बिंदु को सटीकता से भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मिसाइल उसमें लगे कंप्यूटर से निर्देशित होगा।
- पृथ्वी और धनुष जैसी कम दूरी तक मार करने में सक्षम मिसाइल के अलावा भारत के मिसाइल बेड़े में अग्नि-1, अग्नि-2 और अग्नि-3 मिसाइल भी हैं।

अन्य मुख्य बिंदु

- ऐसा माना जाता है कि भारत द्वारा अग्नि-1, अग्नि-2 और अग्नि-3 मिसाइलों को पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।
- अग्नि-4 एवं अग्नि-5 मिसाइल को चीन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।
- भारत के अग्नि 5 विकसित करने से यह मिसाइल उत्तरी चीन के लक्ष्य को भेदने में सक्षम बतायी गई है।
- इससे भारत इंटर कंटीनेन्टल बैलेस्टिक मिसाइल रखने वाले सुपर एक्सक्लूसिव क्लब में शामिल हो चुका है।

इंश्योर ऑनलाइन पोर्टल

PIB, (11 Dec.)

संबंधित मंत्रालय – कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय

संबंधित मंत्री – श्री राधा मोहन सिंह

संदर्भ

- हाल ही में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने पशुपालन डेयरी और मत्स्यपालन विभाग के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय पशुधन मिशन – ईडीईजी के इंश्योर पोर्टल का शुभारम्भ किया।
- इस मिशन के घटक-ईडीईजी के अंतर्गत कुक्कुट, लघु रूमीनेंट्स, सुअर इत्यादि से संबंधित गतिविधियों के लिए सब्सिडी प्रदान की जाती है, जो (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में जाती है।

उद्देश्य

- राष्ट्रीय पशुधन मिशन पशुधन क्षेत्र के सतत विकास के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।
- डीबीटी के लिए लाभार्थियों की आसानी हेतु सुधार और पारदर्शिता लाने के लिए नाबार्ड द्वारा 'इंश्योर' नामक ऑनलाइन पोर्टल https%@@ensure_nabard_org विकसित किया गया है।
- इस पोर्टल पर लाभार्थी आवेदन की प्रक्रिया की सूचना को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्य बिंदु

- मिशन के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों और लाभार्थियों की विभिन्न

श्रेणियों के लिए सब्सिडी का अलग-अलग अनुपात तय किया गया है।

- वर्ष 2014 से अब तक लघु व्यापार/ डेयरी और पशुपालन की यूनिटों को प्रारंभ करने के लिए अनेक लाभार्थियों को 417.14 करोड़ रुपये राशि प्रदान की गई है।
- इस नवीन प्रक्रिया के अनुसार बैंक का नियंत्रणाधिकारी/शाखा प्रबंधक, प्रस्ताव की जांच पड़ताल और अनुमोदन करने के पश्चात् पोर्टल में सब्सिडी का दावा अपलोड करेगा। जिससे अब से सब्सिडी, ऋण के अनुमोदन की तिथि से मात्र 30 दिनों के अंदर लाभार्थी के खाते में जमा हो जाएगी।

Direct Benefit Transfer- A game changer

लाभ

- पहले लाभार्थी को ऋण अनुमोदन के बाद भी लंबे समय तक सब्सिडी उसके खाते में नही पहुँच पाती थी। इस प्रक्रिया से सूचना/ निधियों का प्रवाह भी अधिक तेज और जवाबदेह हो जाएगा।
- इससे किसानों द्वारा सब्सिडी की राशि पर लंबी अवधि तक ब्याज करने के अतिरिक्त भार में भी पोर्टल आरंभ किए जाने के पश्चात् अब कमी आएगी।
- इसके अतिरिक्त पोर्टल से वास्तविक समय आधार पर पहुंच भी सुलभ होगी और लाभार्थियों की सूची भी आसानी से तैयार की जा सकेगी।

PCS1x नामक तकनीक

PIB, (11 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – जहाजरानी मंत्रालय
संबंधित मंत्री – नितिन गडकरी

संदर्भ

- हाल ही में जहाजरानी मंत्रालय के मार्गदर्शन में भारतीय पत्तन संघ ने पत्तन समुदाय प्रणाली "PCS1x" नामक एक तकनीक का अनावरण किया है।

महत्त्व

- यह मंच भारत के समुद्री व्यापार में क्रांति ला देगा और इसको विश्व में प्रचलित सर्वोत्कृष्ट प्रथाओं की बराबरी में खड़ा करने में सक्षम है।
- यह व्यवसाय की सुगमता सूचकांक तथा माल-ढुलाई प्रदर्शन सूचकांक में भारत की रैंकिंग में सुधार लाएगा।

क्या है?

- यह क्लाउड पर आधारित नई पीढ़ी की तकनीक है, जिसमें उपभोक्ता के अनुकूल इंटरफेस होता है।
- इस प्रणाली से समुद्री व्यापार से जुड़े सभी हितधारक एक मंच पर सरलता से जुड़ जाते हैं।
- यह मंच बहुत-सी मूल्य-वर्धित सेवाएँ प्रदान करता है, जैसे - अधिसूचना इंजन, कार्य-प्रवाह, मोबाइल ऐप, जहाजों की स्थिति का पता लगाना, उपभोक्ता के लिए बेहतर इंटरफेस तथा पहले से अच्छी सुरक्षा सुविधाएँ।

- इसमें एक विश्व-स्तरीय आधुनिकतम भुगतान एग्रीगेटर की प्रणाली है, जो बैंक-सापेक्ष भुगतान प्रणाली पर निर्भरता को समाप्त कर देता है।
- इस तकनीक में कागज का प्रयोग कम होता है, इसलिए हम कह सकते हैं कि पर्यावरण की दृष्टि से यह एक अच्छी पहल है।
- इस तकनीक का विकास देश में ही किया गया है और यह मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया का एक हिस्सा है।

भारतीय पत्तन संघ

- इसकी स्थापना सोसाइटी निबंधन अधिनियम के तहत 1966 में हुई थी।
- इसका उद्देश्य उन सभी बड़े बन्दरगाहों की वृद्धि एवं विकास का सम्पोषण करना है, जो जहाजरानी मंत्रालय के पर्यवेक्षणात्मक नियंत्रण में होते हैं।

पनडुब्बी बचाव वाहन

PIB, (12 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में भारतीय नौसेना ने देश के पहले गहन जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) को सेवा में शामिल कर लिया है।
- मुंबई और विशाखापत्तनम में स्थायी रूप से जल्द ही तैनात करने के लिए एक और ऐसे ही वाहन को हासिल किया जायेगा।
- अब तक अमेरिका, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड जैसे देशों के पास ही यह सुविधा मौजूद थी, लेकिन अब भारत भी इस श्रेणी में आ गया है।

- यह विशिष्ट पनडुब्बी बचाव क्षमता प्राप्त करने में नौसेना के केंद्रित वर्षों के प्रयासों की परिणति को दर्शाती है।
- ऐसा दूसरा वाहन भारत के लिए रवाना हो चुका है और उसे विशाखापत्तम में नौसेना की इकाई में तैनात किया जाएगा।

विशेषताएं

- यह वाहन एक गोते में 14 लोगों को बचा सकता है।
- परीक्षणों के दौरान, डीएसआरवी 666 मीटर तक सफलतापूर्वक नीचे गया, जो भारतीय जल सीमा में 'मानव निर्मित पोत' द्वारा गहन जलमग्न के लिए एक रिकॉर्ड है।
- इन वाहनों की मद्द से मुसीबत में फंसी पनडुब्बी के चालक दल के सदस्यों को बाहर निकालने में मद्द मिलेगी।
- डीएसआरवी की उपलब्धता हमेशा रहने से हिंद महासागर में भारतीय नौसेना संकट में फंसी पनडुब्बियों के बचाव व राहत के लिये हमेशा तैयार रह सकेगी।

- इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए शिप से ले जाने के साथ-साथ इसे रिमोट से भी संचालित किया जा सकता है।

पार्टनर्स फोरम

PIB, (12 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री जे.पी नड्डा

संदर्भ

- हाल ही में नई दिल्ली में भागीदार मंच (Partners' Forum) का चौथा सम्मेलन सम्पन्न हुआ।
- इसका आयोजन भारत सरकार ने मातृ, नवजात एवं बाल-स्वास्थ्य भागीदारी (Partnership for Maternal, Newborn and Child Health – PMNCH) नामक संगठन के साहचर्य से किया।
- भारत में इस मंच का सम्मेलन दूसरी बार हो रहा है।
- 2007 में यह सम्मेलन तंजानिया के दार-एस-सलाम में, 2010 में नई दिल्ली में और 2014 में द.अफ्रीका के जोहा सबर्ग में हुआ था।

क्या है?

- सितम्बर, 2005 में आरम्भ किया गया भागीदार मंच एक वैश्विक

स्वास्थ्य भागीदारी का मंच है।

- इसका उद्देश्य बच्चे-जच्चे की मृत्यु दर को घटाना तथा साथ ही माताओं, किशोरों, बच्चों और नवजातों के स्वास्थ्य में सुधार लाना है।
- इस मंच से 92 देशों के 10 विभिन्न क्षेत्रों के एक हजार से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं, जो इन क्षेत्रों से आते हैं - अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थान, धनदाता एवं फाउंडेशन, स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े पेशेवर लोग, बहुपक्षीय एजेंसियाँ, गैरसरकारी संगठन, भागीदार देश, वैश्विक वित्त पोषण तंत्र और निजी क्षेत्र।

PMNCH **मिशन क्या है?**

- यह एक मिशन है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य से सम्बंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सफलतापूर्वक काम करने के लिए वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय को सहयोग देना है।

IRIGC-MTC की 18वीं बैठन

PIB, (13 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – रक्षा मंत्रालय
संबंधित मंत्री – निर्मला सीतारमण

संदर्भ

- हाल ही में भारत की रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने रूसी रक्षा मंत्री जनरल सेर्गेई शोइगू से 18वीं सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारतीय-रूसी अंतरसरकारी आयोग (IRIGC-MTC) की बैठक के दौरान मुलाकात की।

- इस बैठक का आयोजन नई दिल्ली में किया गया था।

मुख्य बिंदु

- इस बैठक में रक्षा उपकरण, उद्योग तथा भारत व रूस के बीच तकनीकी सहयोग समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी।
- इस बैठक में रूसी सैन्य उपकरणों के अपग्रेडेशन तथा सेल्स सपोर्ट पर भी चर्चा की गयी।
- इस दौरान दोनों मंत्रियों ने भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग क्षेत्र में हो रही प्रगति पर संतुष्टि प्रकट की।
- बैठक में कामोव-226T हेलीकॉप्टर, नौसैनिक फ्रिगेट तथा अन्य परियोजनाओं के संयुक्त उत्पादन पर भी विचार-विमर्श किया गया।
- दोनों देशों ने 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत भारत में ही रूसी उपकरणों के निर्माण पर सहमति प्रकट की।

- IRIGC-MTC के ढाँचे में परिवर्तन करके इसे "सेना तथा सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतरसरकारी आयोग" बनाया जायेगा, इसके लिए दोनों देशों ने समझौते पर हस्ताक्षर किये।

क्या है?

- रूस, भारत का सबसे महत्वपूर्ण हथियार आपूर्तिकर्त्ता रहा है।
- दोनों देशों ने सैन्य व तकनीकी सहयोग के लिए संस्थागत ढांचा तैयार किया है। IRIGC इसी प्रकार का संस्थागत ढांचा है।
- सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारतीय-रूसी अंतरसरकारी आयोग (IRIGC-MTC) की स्थापना वर्ष 2000 में की गयी थी।
- इसकी पहली बैठक का आयोजन वर्ष 2001 में रूस की राजधानी मॉस्को में किया गया था, इसकी अगली बैठक का आयोजन 2019 में रूस में किया जायेगा।

इको निवास संहिता 2018

PIB, (14 Dec.)
संबंधित मंत्रालय – विद्युत मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री आर. के. सिंह (राज्य मंत्री)

संदर्भ

- भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने आवासीय भवनों के लिए ऊर्जा संरक्षण निर्माण संहिता (Energy Conservation Building Code) - ECO निवास संहिता 2018 का अनावरण किया है।

- यह अनावरण राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस, 2018 के अवसर पर हुआ।
- 14 दिसम्बर को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है।
- यह दिवस ऊर्जा मंत्रालय द्वारा ऊर्जा सक्षमता ब्यूरो (Bureau of Energy Efficiency – BEE) के साहचर्य से आयोजित होता है।

ENERGY IS LIFE
BEE
CONSERVE IT

उद्देश्य

- घरों, अपार्टमेंटों और टाउनशिपों के निर्माण एवं रूपांकन में ऊर्जा सक्षमता को प्रोत्साहन देकर निवासियों और पर्यावरण को लाभ पहुँचाना है।

क्या है?

- यह संहिता वास्तुविदों, विशेषज्ञों, निर्माण-सामग्री के आपूर्तिकर्त्ताओं एवं डिवेलपरों आदि सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के पश्चात् तैयार हुई है।
- इसमें जो मानदंड सूचीबद्ध किये गये हैं, वे जलवायु एवं ऊर्जा से सम्बंधित आँकड़ों से सम्बंधित कई मानदंडों पर आधारित हैं।
- इस संहिता से उन वास्तुविदों और भवन-निर्माताओं को सहायता मिलेगी, जो नए आवासीय संकुलों के रूपांकन एवं निर्माण के कार्य में लगे हुए हैं।
- आशा की जाती है कि इस संहिता को लागू करने से 2030 तक प्रतिवर्ष 125 बिलियन बिजली इकाई के समतुल्य ऊर्जा की बचत होगी, जो 100 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन के बराबर है।

ऊर्जा सक्षमता ब्यूरो (BEE)

- यह एक वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अंतर्गत मार्च 2002 में ऊर्जा मंत्रालय द्वारा की गई थी।

इसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

- ऊर्जा सक्षमता एवं संरक्षण से सम्बंधित नीति एवं कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना।
- ऊर्जा की माँग को आदर्श स्थिति में लाकर पूरे देश में ऊर्जा सुविधा की सघनता (energy intensity) को घटाना।
- वैश्विक तापवृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन के लिए उत्तरदायी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को घटाना।
- यहाँ पर ध्यान रहे कि UNFCCC को समर्पित अभिलेख में भारत ने यह वचन दिया है कि वह 2030 तक ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में 33-35% की कमी लाएगा।

ई-वाणिज्य पोर्टल

PIB, (15 Dec.)

संबंधित मंत्रालय – संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
संबंधित मंत्री – श्री मनोज सिन्हा (स्वतंत्र प्रभार)

संदर्भ

- हाल ही में संचार मंत्रालय ने डाक विभाग के ई-वाणिज्य पोर्टल का अनावरण किया है।
- इसके द्वारा विक्रेताओं को एक ई-बाजार की सुविधा मिलेगी, जहाँ से वे देश-भर में अपने उत्पाद बेच सकेंगे।
- इस बाजार की सुविधा विशेषकर ग्रामीण शिल्पकारों, स्वयं सहायता समूहों (SHGs), महिला उद्यमियों, राज्य एवं केंद्र के सार्वजनिक लोक उपक्रमों (PSUs), स्वायत्त निकायों आदि को मिलेगी।

भारतीय डाक
Indian Post

मुख्य बिंदु

- इस पोर्टल के आ जाने से छोटे और स्थानीय विक्रेता अब देश के डाकघरों के विशाल भौतिक एवं सूचना तकनीक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए अपनी पहुँच को अधिक से अधिक बढ़ा सकेंगे।
- अब खरीदने वाले भी पोर्टल पर विक्रेताओं द्वारा दिखलाए गये उत्पादों में से चुनिन्दा उत्पाद को देख सकते हैं और डिजिटल

भुगतान करके ऑनलाइन आदेश भी दे सकते हैं।

डाकघर बचत बैंक

- डाकघर बचत बैंक के ग्राहकों के लिए कोर बैंकिंग सोल्यूशन के अंतर्गत इन्टरनेट बैंकिंग की सुविधा भी आरम्भ की गई।
- अब डाक घर बचत बैंकों के लगभग 17 करोड़ खाते डाकघरों के बीच संचालित किये जा सकेंगे और ग्राहक डाकघर के आवर्ती जमा खातों एवं सामान्य भविष्य निधि खातों में जमा पैसों का ऑनलाइन स्थानान्तरण कर सकते हैं।
- इस सुविधा से यह लाभ होगा कि बिना सशरीर डाकघर गये हुए धन का लेन-देन हो सकेगा।

दीन दयाल स्पर्श कार्यक्रम

- डाक विभाग के द्वारा एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम का आरम्भ हुआ है, जो स्कूली बच्चों के लिए है।
- SPARSH का अर्थ हुआ – Scholarship for Promotion of Aptitude - Research in Stamps as a Hobby
- इसका उद्देश्य टिकटों को जमा करने के शौक को शिक्षा प्रणाली की मुख्य धारा से जोड़ना और उसे उत्प्रेरित करना है

मेघदूत पुरस्कार

- संचार राज्य मंत्री ने डाक विभाग के कमर्चारियों और ग्रामीण डाक सेवकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आठ श्रेणियों में मेघदूत पुरस्कारों से सम्मानित किया।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक

1. हॉर्नबिल महोत्सव के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) इस महोत्सव का नामकरण ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर हुआ है।
   (ii) यह महोत्सव उत्तर-पूर्वी भारत के सिक्किम राज्य का एक प्रसिद्ध त्योहार है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल पक्षी मुख्य रूप से आर्द्र, सदाबहार और मिश्रित पर्णपाती वनों में पाया जाता है।
   (ii) ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल पक्षी अरूणाचल प्रदेश तथा केरल राज्य का एक राजकीय पक्षी है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
3. हाल ही में चर्चा में रहे 'कोप इंडिया-18' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) यह भारतीय और अमेरिकी वायुसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास है।
   (ii) इस युद्धाभ्यास का आयोजन उत्तरप्रदेश के आगरा में किया गया।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) कोप इंडिया-18 अभ्यास का उद्देश्य वायुसेनाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना तथा कौशल का आदान-प्रदान करना है।
   (ii) कोप इंडिया-18 सैन्य अभ्यास का लक्ष्य संचालनात्मक समन्वय को बढ़ाना है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
5. 'कॉप-24' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) हाल ही में इस सम्मेलन को पोलैंड के कैटोविस शहर में आयोजित किया गया।
   (ii) अंतर्राष्ट्रीय सौर संघ को बढ़ाने तथा 2022 तक प्लास्टिक मुक्त करने के संकल्प हेतु भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'चैंपियन ऑफ दी अर्थ पुरस्कार' प्रदान किया गया।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) हाल ही में सम्पन्न 'कॉप-24' सम्मेलन में भारतीय पैवेलियन की थीम 'एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड' थी।
   (ii) कॉप (COP) संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढाँचे (UNFCCCC) से सम्बन्धित पक्षकारों का सम्मेलन है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

7. हाल ही में सम्पन्न 'शिनयू मैत्री-2018' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
(i) यह चीनी वायु सेल्फ डिफेंस फोर्स और भारतीय वायुसेना के बीच एक द्विपक्षीय वायुसैन्याभ्यास है।
(ii) इस सैन्य अभ्यास की थीम 'विमान की सहायता से गति के साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत' थी।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

8. 'भारत जल प्रभाव सम्मेलन -2018' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) इस सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में किया गया।
(ii) यह एक वार्षिक सम्मेलन है, जिसमें देश की जल से संबंधित वि. भन्न समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श किया जाता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) 'भारतीय जल प्रभाव सम्मेलन-2018' का आयोजन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और गंगा नदी बेसिन प्रबंधन एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
(ii) ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल पक्षी को आईयूसीएन की रेड डाटा बुक में शामिल किया गया।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

10. 'ब्लू वाटर्स अहो!' पुस्तक के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) इस पुस्तक को नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा ने लिखा है।
(ii) इस पुस्तक में वर्ष 2001 से लेकर वर्ष 2010 तक की अवधि के दौरान भारतीय नौसेना के इतिहास का वृतांत दिया गया है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

11. हाल ही में 'जीसैट-11 उपग्रह' को प्रक्षेपित किया गया। इस सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) यह भारत का सबसे वजनी सैटेलाइट है।
(ii) इस उपग्रह को श्री हरिकोटा के सतीश धवन उपग्रह अंतरिक्ष केन्द्र से प्रक्षेपित किया गया।
(iii) यह उपग्रह इसरो के इंटरनेट बेस्ड सैटेलाइट सीरीज का हिस्सा है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) (i) और (iii)
(c) (ii) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

12. 'कृषि निर्यात नीति-2018' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) यह देश की पहली कृषि निर्यात नीति है।
(ii) इस व्यवस्था के माध्यम से किसानों को निर्यात के अवसरों का लाभ मिलेगा।
(iii) इस नीति का उद्देश्य चाय, कॉफी, चावल आदि के निर्यात को बढ़ावा देना है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्यं है/हैं?
(a) केवल (i) (b) (i) और (iii)
(c) (ii) और (iii) (d) इनमें से कोई नहीं

13. 'किसान हाट' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) हाल ही में कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने पूसा में इसकी आधारशिला रखी।
(ii) इसका उद्देश्य कृषि शिक्षा के प्रति युवाओं को आकर्षित करना है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

14. हाल ही में चर्चा में रही 'शाहपुर कंडी डैम' परियोजना के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए
(i) यह रावी नदी पर बनाई जाएगी।
(ii) इससे पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर की कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी।
(iii) इस परियोजना को लागू करने से पानी की बर्बादी में कमी लाने में मदद मिलेगी।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (iii) (b) (i) और (iii)
(c) (ii) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

15. संयुक्त युद्धाभ्यास 'हैंड-इन-हैंड' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) इस सैन्य अभ्यास का आयोजन भारत और चीनी सेनाओं के बीच किया गया।
(ii) इस सैन्याभ्यास का आयोजन भरतपुर एयरबेस (राजस्थान) में किया जा रहा है।
(iii) यह युद्धाभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत अंतर्राष्ट्रीय आतं. कवाद से निपटने तथा आतंकवादी माहौल से मुकाबला करने में सहायक होगा।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) (i) और (ii)
(c) (i) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

16. हाल ही में कृत्रिम बौद्धिकता पर विश्व हैकथॉन की शुरूआत भारत में किसके द्वारा की गयी?
(a) इसरो (b) आइ.आइ.एस.सी. बैंगलुरु
(c) आई.आई.टी, कानपुर (d) नीति आयोग

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) पार्टनर्स फोरम का चौथा सम्मेलन नई दिल्ली में किया गया।
(ii) पार्टनर्स फोरम एक वैश्विक आर्थिक मंच है, जिसकी शुरूआत 2005 में की गयी।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

18. भारतीय-रूसी अंतरसरकारी आयोग (IRIGC-MTC) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) हाल ही में इसकी बैठक चेन्नई में की गयी।
(ii) यह सैन्य और तकनीकी सहयोग के लिए एक संस्थागत ढाँचा है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारतीय-रूसी अंतरसरकारी आयोग की स्थापना वर्ष 2002 में की गयी थी।
(ii) इस आयोग की अगली बैठक का आयोजन 2019 में रूस में किया जायेगा।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

20. 'अग्नि-5' मिसाइल के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) इसके कारण भारत इंटर कॉन्टीनेन्टल मिसाइल रखने वाले सुपर एक्सक्लूसिव क्लब में शामिल हुआ है।
(ii) इस मिसाइल की रेंज में चीन, यूरोप, पाकिस्तान और अमेरिका के कुछ क्षेत्र आते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) हाल ही में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 'इंश्योर ऑन लाइन पोर्टल' की शुरुआत की गयी।
(ii) इंश्योर ऑनलाइन पोर्टल के अंतर्गत कुक्कुट, लघु रुमीनेंट्स, सुअर इत्यादि से संबंधित गतिविधियों के लिए सब्सिडी प्रदान की जाती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

22. PCS1x नामक तकनीक के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) इसका अनावरण जहाजरानी मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय पत्तनसंघ द्वारा किया गया।
(ii) यह स्वदेश निर्मित तकनीकी है, जिसे मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया के अंतर्गत विकसित किया गया।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) भारतीय पत्तन संघ की स्थापना सोसाइटी निबंधन अधिनियम के तहत 1966 में हुई थी।
(ii) भारतीय पत्तन संघ का उद्देश्य सभी बड़े बन्दरगाहों की वृद्धि एवं विकास संपोषण करना है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) गहन जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) भारत का पहला पनडुब्बी बचाव वाहन है।
(ii) डीएसआरवी की उपलब्धता से अरब सागर में भारतीय नौसेना संकट में फंसी पनडुब्बियों के बचाव व राहत के लिए सक्षम होगी।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

25. 'इको निवास संहिता- 2018' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
(i) इसका अनावरण राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर किया गया।
(ii) इसका उद्देश्य घरों, अपार्टमेंटों और टाउनशिपों के निर्माण एवं रूपांकन में ऊर्जा सक्षमता को प्रोत्साहन देकर निवासियों और पर्यावरण को लाभ पहुँचाना है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)